भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 628

28 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) और स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेआरवाई)

628. श्री संजय हरिभाऊ जाधवः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) और स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेआरवाई) देश में किस वर्ष शुरू की गईं;

(ख) क्या उपर्युक्त दोनों योजनाओं का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों को संगठित करके उनके बीच कौशल विकास के अवसर सृजित करना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) परभणी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र राज्य में ऐसे कितने जिले हैं जहां गत पांच वर्षों के दौरान लोग इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं;

(घ) इन योजनाओं के लाभ से लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा;

(ङ) क्या दोनों योजनाओं के अंतर्गत रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) लोगों के जीवन स्तर को सुधारने तथा उसे लाभकारी बनाने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

****

(क) और (ख): शहरी गरीबी उपशमन सहित शहरी विकास राज्य का विषय है और इसके अंतर्गत योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का उत्तरदायित्व है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) "दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम)" के अंतर्गत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्रयासों में सहायता करता है।

स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई) वर्ष 1997 में शुरू की गई थी और वर्ष 2013 तक कार्यान्वित की गई थी, जिसका उद्देश्य स्वरोजगार उद्यमों की स्थापना या मजदूरी रोजगार के प्रावधान के माध्यम से शहरी बेरोजगारों और अल्परोजगार वाले लोगों को लाभकारी रोजगार प्रदान करना था। 23 सितंबर, 2013 को, एसजेएसआरवाई का पुनर्गठन किया गया और इसे राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के रूप में शुरू किया गया। फरवरी, 2016 में इस मिशन का नाम बदलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कर दिया गया और देश के सभी वैधानिक शहरों तक इस का विस्तार कर दिया गया।

"दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम)" का उद्देश्य शहरी गरीब परिवारों को लाभकारी स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान करके उनकी गरीबी और असुरक्षा को कम करना है, ताकि शहरी गरीबों के लिए जमीनी स्तर की मजबूत संस्थाओं का निर्माण करके स्थायी आधार पर उनकी आजीविका में सुधार किया जा सके।

(ग): डीएवाई-एनयूएलएम को परभणी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र के सभी 35 जिलों में कार्यान्वित किया गया है। परभणी निर्वाचन क्षेत्र परभणी जिले और जालना जिले के कुछ हिस्सों से बना है। पिछले पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र राज्य से कुल 1,16,088 लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं, जिनमें परभणी जिले के 4209 लाभार्थी शामिल हैं, जिन्हें कौशल प्रशिक्षण लाभ प्रदान किया गया है।

(घ) से (च): एनयूएलएम और एसजेएसआरवाई, दोनों योजनाओं ने शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों के लिए कौशल विकास के अवसर पैदा किए। चूंकि एसजेएसआरवाई वर्ष 2013 तक थी, इसलिए एनयूएलएम के अंतर्गत शहरी गरीबों को स्वयं सहायता समूह में एकजुटता करके उनके लिए अवसर पैदा किए गए।

डीएवाई-एनयूएलएम के सामाजिक एकजुटता और संस्था विकास (एसएमएंडआईडी), स्वरोजगार कार्यक्रम (एसईपी) और शहरी पथ विक्रता (एसयूएसवी) घटकों के अंतर्गत शहरी गरीब लाभार्थियों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए डीएवाई-एनयूएलएम द्वारा रोजगार के कुल 24,93,189 अवसर सृजित किए गए हैं, जिनमें महाराष्ट्र राज्य में रोजगार के 1,16,088 अवसर शामिल हैं।

****